हरिभूमि

महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, मंगलवार 20 जनवरी 2026

11 जिलास्तरीय प्रतियोगिता में सतनाली कॉलेज की...

12 चतुर्थ एथलेटिक मीट में छात्राओं ने दिखाया साहस, ईशा...

खबर संक्षेप

नगर पालिका हाउस की बैठक आज

महेंद्रगढ़। नगर पालिका हाउस की बैठक आज मंगलवार को होगी। इसमें आठ मुद्दों पर चर्चा होगी। पार्षदों की सहमति पर मुद्दों पर मुहर लगाई जाएगी। बैठक में देवीलाल पार्क के पास सामुदायिक केंद्र का नाम अटल बिहारी वाजपेयी करने और मूर्ति स्थापना पर चर्चा होगी। माजरा चुंगी को रेजांगला चौक का नाम दिया जाएगा।

पत्रकार बलवान पर घर में घुसकर हमला

नारनौल। शहर की शास्त्रीनगर में रहने वाले पत्रकार बलवान शर्मा पर कुछ बदमाशों ने हमला किया है। वारदात रविवार शाम की है। उस वक्त वह घर पर थे। शोर मचाने पर हमलावर भाग खड़े हुए। जाते वक्त जान से मारने की धमकी भी देकर गए। इस वारदात के बाद शिकायत के आधार पर सिटी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपितों की तलाश में सीआईए व अन्य टीम गठित की है।

दो निजी बसों में भिड़ंत जानलेवा हादसा टला

नांगल चौधरी। सोमवार की सुबह घना कोहरा वाहन चालकों के लिए मुसीबत बना रहा। दृष्टयता बहुत कम होने की वजह नांगल नूनिया के पास एनएच-148 बी पर दो निजी बसों में भिड़ंत हो गई। सूचना मिलते ही ग्रामीणों में हड़कंप की स्थिति उत्पन्न हो गई तथा सैकड़ों लोग घटना स्थल पर पहुंच गए। उन्होंने घायल बच्चों को नांगल चौधरी सीएचसी में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पीड़ितों को डिस्चार्ज कर दिया है।

उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार गंभीर

ट्रॉमा सेंटर भवन में कैंसर पीड़ितों के लिए खुलेगा डे केयर कीमोथेरेपी सेंटर

रोहतक, जयपुर या एम्स जैसे बड़े संस्थानों के नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर

राजकुमार ▶▶ नारनौल

जिले के कैंसर पीड़ित मरीजों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। ट्रामा में जल्द ही कैंसर मरीजों के लिए डे केयर सेंटर की शुरुआत होने जा रही है। इस सेंटर के खुलने से अब कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी के लिए बार-बार चंडीगढ़, रोहतक, जयपुर या एम्स जैसे बड़े संस्थानों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, यह सुविधा खासतौर पर उन मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी, जो पहले से किसी बड़े संस्थान में इलाज करा रहे हैं, लेकिन नियमित कीमोथेरेपी के लिए लंबी दूरी तय करने को मजबूर थे।

जिला नागरिक अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर भवन में छह बैड का आधुनिक डे केयर कीमोथेरेपी सेंटर स्थापित किया जा रहा है। यहां मरीजों को दिन में कीमोथेरेपी दी जाएगी और प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम को उन्हें घर भेज दिया जाएगा। इससे न केवल अस्पतालों पर बोझ कम होगा, बल्कि मरीजों को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक राहत भी मिलेगी। ट्रामा में डे केयर कैंसर सेंटर की स्थापना से यह साफ हो गया है कि सरकार जिला स्तर पर भी उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। यह कदम न केवल मरीजों के जीवन को आसान बनाएगा, बल्कि जिले के स्वास्थ्य ढांचे को भी मजबूत करेगा। इस केंद्र में कीमोथेरेपी के अलावा, मरीजों के लिए परामर्श और उपचार के दौरान आने वाले साइड इफेक्ट्स को मैनेज करने की चिकित्सा सहायता भी मिलेगी। मरीजों को कैंसर की कुछ दवाएं भी यहां मिल सकेंगी।

नारनौल। ट्रामा सेंटर, जहां कैंसर पीड़ितों के लिए डे केयर सेंटर स्थापित होना है।

मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जरूरी कदम

पिछले कुछ वर्षों में जिले में कैंसर के मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। वर्तमान में महेंद्रगढ़ जिले में 527 कैंसर मरीज एक्टिव हैं। आए दिन गला, स्तन कैंसर, मुंह का कैंसर और पेट से जुड़ी बीमारियों के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर कीमोथेरेपी सुविधा का होना समय की मांग बन चुका था। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि यह डे केयर सेंटर भविष्य में और भी विस्तारित किया जा सकता है।

26 जनवरी को हो सकता है उद्घाटन

सूत्रों के अनुसार, 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी इस डे केयर सेंटर का उद्घाटन कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह जिला स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम माना जाएगा। इससे पहले जिले में इस तरह की विशेष कैंसर सुविधा उपलब्ध नहीं थी। कैंसर जैसे गंभीर रोग के इलाज के लिए प्रशिक्षित स्टाफ की बेहद जरूरत होती है। इसे ध्यान में रखते हुए नागरिक अस्पताल में दो चिकित्सकों और दो नर्सिंग अफसरों को विशेष प्रशिक्षण दिलाया गया है। डाक्टरों में डा. पवन यादव एवं डा. दिनेश कुमार शामिल हैं। इन सभी को कीमोथेरेपी देने, मरीजों की निगरानी करने और आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी गई है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा जाएगा और कीमोथेरेपी केवल विशेषज्ञों की निगरानी में ही दी जाएगी।

अन्य संस्थानों से इलाज ले रहे मरीजों को लाभ

यह डे केयर सेंटर खास तौर पर उन मरीजों के लिए वरदान साबित होगा जो पहले से एम्स, पीजीआई, बीकानेर, जयपुर या रोहतक जैसे बड़े चिकित्सा संस्थानों से कैंसर का इलाज करा रहे हैं। ऐसे मरीजों को अब केवल कीमोथेरेपी के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। वे अपने इलाज की फाइल और डॉक्टर की सलाह के आधार पर नागरिक अस्पताल में ही कीमोथेरेपी करा सकेंगे। लंबे समय कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी के लिए कई सौ किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता था। इससे न केवल समय बर्बाद होता था, बल्कि यात्रा, ठहराव और खान-पान पर भारी खर्च भी उठाना पड़ता था। डे केयर सेंटर शुरू होने से मरीजों और उनके परिजनों का आर्थिक बोझ कम होगा और उन्हें इलाज के दौरान घर के पास रहने की सुविधा मिलेगी।

यह कहती हैं चिकित्साधिकारी

नारनौल के ट्रामा सेंटर में कैंसर पीड़ितों के लिए डे केयर सेंटर खोला जा रहा है। यह छह बैड का होगा और यहां आने वाले मरीजों को सुबह एडमिट करके उपचार प्रदान किया जाएगा और शाम को छुट्टी दे दी जाएगी। यह डे केयर सेंटर कीमोथेरेपी एवं उपचार प्रदान करने के उद्देश्य से खोला जा रहा है। यह डे केयर कीमोथेरेपी सेंटर कैंसर पीड़ितों के लिए उम्मीद की नई किरण साबित होगा।

-डा. आशा शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक नागरिक अस्पताल नारनौल

बैट्री फटने से हुई मौत मामले में आर्थिक सहायता व सरकारी नौकरी देने की मांग

नारनौल। पीड़ित परिवार की व्यथा सुनते तथा ढाढ़स बंधाते बसपा नेता अतरलाल।

दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

बहुजन समाज पार्टी के निर्देश पर अटेली प्रत्याशी रहे अतरलाल एडवोकेट ने नारनौल शहर की रामनगर कॉलोनी में पहुंचे। वहां चार्जिंग पर लगी इलेक्ट्रिक स्कूटी में हुए विस्फोट से आग लगने के कारण बावरिया अनुसूचित जाति के श्रमिक शिवकुमार की मौत पर गहरी संवेदना प्रकट की और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

मृतक श्रमिक शिवकुमार बावरिया के लड़के दिनेश ने हादसे की जानकारी देते हुए अतरलाल को बताया कि गत सोमवार 12 जनवरी की रात्रि को उनके पिता इलेक्ट्रिक स्कूटी को कमरे में चार्जिंग पर लगाकर सोए हुए थे। अचानक स्कूटी की बैट्री फटने से कमरे में आग लग गई और उनके 55 वर्षीय श्रमिक पिता की मौत हो गई। पूरा कमरा तथा इसमें रखा सामान लैपटाप, स्कूटी, दो सिलाई मशीन, एलईडी, संदूक, अनाज, कपड़े सभी जल कर राख हो गए। दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाई।

शोकाकुल परिवार की व्यथा सुनने के बाद अतरलाल ने प्रदेश सरकार तथा जिला उपायुक्त से पीड़ित परिवार के बेरोजगार बेटे को सरकारी नौकरी देने तथा तत्काल नुकसान का सर्वे करवाकर आर्थिक सहायता देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस भयंकर हादसे से पूरा परिवार सदमे में है। इस मौके पर मृतक के पुत्र दिनेश, भाई कंवरसिंह, पत्नी इंद्रा, बेटी पुष्पा व नीरा के साथ रामकिशन, रतनसिंह, बिरेन्द्र सिंह, मनीष, धर्मसिंह, देशराज, राकेश आदि अनेक लोग उपस्थित थे।

महासर में चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव महासर में गांव के ही निवासी एक युवक ने घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने मकान मलिक महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गांव महासर निवासी ललिता नामक महिला ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि गांव का ही निवासी सचिन नामक युवक ने रात्रि के समय घर में घुसकर मोबाइल फोन व आभूषण चुरा लिए हैं। सहायक उपनिरीक्षक संदीप पूनिया ने शिकायत के बाद तत्परता दिखाते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर लिया गया है।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की बड़ी कार्रवाई

गैस की कालाबाजारी, पाली गांव में पकड़े 24 सिलेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

क्षेत्र के गांव पाली में सोमवार को घरेलू गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की ओर से बड़ी कार्रवाई की गई। इस दौरान खाद्य आपूर्ति विभाग के इंस्पेक्टर विनोद कुमार, सतनाली इंस्पेक्टर संदीप कुमार, सतनाली इंस्पेक्टर प्रमोद शेखावत के नेतृत्व में टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर गांव पाली में पिकअप गाड़ी से 24 सिलेंडर पकड़े हैं। टीम ने पिकअप गाड़ी से 14 एचपी एजेंसी व नौ इंडियन एजेंसी के सिलेंडर बरामद किए हैं। पकड़े गए सिलेंडर को टीम ने संबंधित एजेंसी में जमा करवा दिए हैं।

बता दें कि खाद्य आपूर्ति विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव पाली में गोपाल की पिकअप गाड़ी में अवैध रूप से सिलेंडर रखे हुए हैं। इसी सूचना के आधार पर विभाग ने गांव पाली में रैड की। पिकअप गाड़ी की जांच की गई। पिकअप में 24 गैस सिलेंडर थे तथा सभी में गैस भी भरी हुई थी।

अधिकारियों ने गोपाल से सिलेंडर संबंधी कागजात की मांग की, पंरतु वह कुछ भी प्रस्तुत नहीं कर पाया। बताते चलें कि व्यवसायिक गतिविधियों में घरेलू गैस सिलेंडर के इस्तेमाल पर सरकार ने रोक लगा रखी है।

महेंद्रगढ़। रेड के दौरान उपस्थित विभाग के अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

शहरी सौंदर्यीकरण पर पड़ेगा असर

अटेली पालिका की बैठक में विकास कार्यों पर लगी मोहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

कागजी योजनाओं से आगे बढ़ते हुए अटेली नगर पालिका की वित्तीय कमेटी बैठक में शहर को नए स्वरूप देने वाले विकास कार्यों पर मुहर लगाई गई। बैठक में करीब 80 लाख रुपये की लागत से ऐसे प्रस्ताव पारित किए गए, जिनका सीधा असर आमजन की सुरक्षा, सुविधा और शहरी सौंदर्यीकरण पर पड़ेगा। बैठक में नए नगर पालिका कार्यालय के बाहर सीसीटीवी कैमरे, चारदीवारी पर फेंसिंग, नगर पालिका क्षेत्र में लाइब्रेरी की स्थापना, विस्तारित सीमा वाले क्षेत्रों पर स्वागत द्वार, अंडरपास से सिटी पार्क तक सड़क निर्माण तथा अंबेडकर भवन पार्क में रिचार्ज बोर की व्यवस्था जैसे अहम कार्य शामिल हैं। इसके साथ ही शहर के विभिन्न हिस्सों में सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव भी पास किए गए, जिससे आवागमन को सुगम बनाया जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष संजय गोयल ने बैठक के बाद कहा कि अटेली के विकास में किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाएगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व हरियाणा सरकार के सहयोग से नगर पालिका को पर्याप्त बजट मिल रहा है, जिससे साफ-सफाई, सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जा रहा है।

मंडी अटेली। नगर पालिका की बैठक लेते चेयरमैन संजय गोयल।

एडीसी तरुण पावरिया ने दयालु-2 योजना को लेकर की बैठक

आवारा पशुओं के हमले पर सरकार देगी आर्थिक मदद: अतिरिक्त उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय परिवार सुरक्षा योजना दयालु-2 की शुरुआत की है। अब आवारा पशुओं के कारण होने वाली अनहोनी में पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद मिलेगी। इस योजना का लाभ लेने के लिए लाभार्थी का हरियाणा राज्य का निवासी होना अनिवार्य है। लाभार्थी का नाम परिवार पहचान पत्र में दर्ज होना चाहिए। यह योजना तब प्रभावी होगी, जब पशु हमले का हादसा हरियाणा राज्य की सीमा के भीतर हुआ हो। वहीं गाय, बैल, कुत्ता, नीलगाय, गधा आदि जैसे आवारा या बेसहारा पशुओं के काटने या हमले पर आर्थिक मदद दी जाएगी। किसी व्यक्ति की मृत्यु या स्थायी विकलांगता होने पर पीड़ित या उसके आश्रित परिवार को सहायता मिलेगी। अतिरिक्त उपायुक्त ने निर्देश दिए कि मृत्यु या घायल होने के मामलों का निपटान प्राथमिकता के आधार पर और समय सीमा के भीतर किया जाए। इस मौके पर एसडीएम महेंद्रगढ़ कनिका गोयल, एसडीएम नारनौल अनिरुद्ध यादव, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह, एसडीएम कनीना, नगराधीश डॉ मंगल सेन, पीओ शीलकराम तथा डीएसओ अनीता आदि अधिकारी मौजूद थे।

ये रहेगी आवेदन की प्रक्रिया : पीड़ित परिवार सीधे ऑनलाइन दयालु-2 योजना के पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। सहायता राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाएगी। प्रार्थी को हादसे के 90 दिन के भीतर पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा।

ये मिलेगी सहायता राशि

सरकार द्वारा आयु के अनुसार निम्नलिखित सहायता राशि निर्धारित की गई है।

- 12 वर्ष तक की आयु के लिए: मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर 1,00,000 रुपये।
- 12 से 18 वर्ष तक की आयु के लिए: मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर 2,00,000 रुपये।
- 18 से 25 वर्ष तक की आयु के लिए: मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर 3,00,000 रुपये।
- 25 से 45 वर्ष तक की आयु के लिए: मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर 5,00,000 रुपये।
- 45 वर्ष से अधिक आयु के लिए: मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक स्थायी दिव्यांगता पर 3,00,000 रुपये।
- घायल होने की स्थिति में: सभी आयु वर्गों के लिए घायल अवस्था में 10,000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।
- कुत्ते के काटने पर : कुत्ते के काटने पर दांत के निशान के आधार पर सहायता का प्रावधान है।

हरिभूमि सहेली

विशेष: गणतंत्र दिवस
वसंत पंचमी, बालिका दिवस

भारतीय स्त्रियां गणतांत्रिक व्यवस्था के प्रति पूरी आस्था रखती हैं, वे इसे व्यापक संदर्भों में देखती हैं। उनके लिए गणतंत्र केवल एक राजनीतिक व्यवस्था नहीं, परिवार-समाज की एक ऐसी संरचना है, जो आपस में सबको जोड़ती है। स्त्रियों का मानना है, घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जो जीवन मूल्य सहेजता है। आज की स्त्रियों का यह भी मानना है कि घर-परिवार का लोकतंत्र मजबूत है तो देश का गणतंत्र भी हमेशा मजबूत रहेगा।

नए युग में स्त्री के लिए गणतंत्र के मायने

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

कभी-कभी बदलाव शोर मचाकर नहीं, दबे पांव भी आते हैं और भीतर ही भीतर विचलित कर देते हैं। ऐसे बदलाव धीरे से आकर हमारे भीतर बैठ जाते हैं, हमें पता तब चलता है, जब हम स्वयं को पहले जैसा नहीं पाते। इस तकनीकी युग के आगमन के साथ स्त्री की सजगता और स्वतंत्रता के दायरे में एक मौन के साथ गहरा बदलाव घटित हुआ है। यह बदलाव केवल सुविधा का नहीं, बल्कि मां के अनुभव और उसकी नैतिक समझ को चुनौती देने वाला है, मानो समय के प्रवाह में अचानक आईने रख दिए गए हों, जिनमें स्त्री को स्वयं को नए सिरे से देखने की चुनौती आ खड़ी हुई हो। खासतौर पर वे स्त्रियां, जिनके बच्चे बढ़ रहे हैं, पढ़ रहे हैं। जिन्हें बच्चों के अनुभव, अनुभूति, अभिव्यक्ति को तराशना है, उनके लिए यह तकनीकी दौर का संविधान, पहेली जैसा है।

बदलते समय का चक्र: सत्तर के दशक की मां के हाथ में छड़ी होती थी। वह छड़ी क्रूरता का प्रतीक नहीं, बल्कि वह स्पष्टता का संकेत थी। उसमें सीमा थी, अनुशासन था, और एक ऐसी नैतिक रेखा थी, जिसे लांघने से पहले बच्चा ठिठकता था, सोचता था, डरता था। फिर भी उस दौर की मां को उसकी संतान डर से नहीं, प्रेम, भरोसे और एक सहज स्नेह के साथ देखती थी। समय बदला। मां ने भी समय के साथ स्वयं को बदला। मांओं की दुनिया में घर के अलावा विद्यालय, ऑफिस, हवाई अड्डे, बस अड्डे आदि जुड़ने लगे तो उनके हाथ में छड़ी की जगह उपहार आ गए, संवाद, सुविधा, समझाइश, सहमति। यह परिवर्तन किसी हार का नहीं, संवेदनशीलता के विस्तार की यात्रा के रूप में देखा गया। लेकिन समय यहीं नहीं रुका। यह ऐसा समय है, जो न छड़ी से अनुशासित होता दिख रहा है और न ही उपहारों से साधा जा सकता है। यह न स्नेह से पिघलता है, न डांट से रुकता है। यहां स्कूल का होमवर्क हो या बहुराष्ट्रीय कंपनियों का जटिल डेटा, सब कुछ क्षण भर में सुलझ जाता है। स्त्री यह सब देख रही है।

जटिलताओं का अंबार: मां की भूमिकाएं बदल रही हैं। आज की स्त्री के पास जटिलताओं का अंबार है। उसे अपने भीतर ठहरकर सोचना होगा कि यदि सब कुछ इतना तात्कालिक, असुविधा रहित होता चला गया, तो अनुभव कहां जाएगा? संघर्ष कहां टिकेगा? चिंतन की वह धीमी आग कहां सुलगेगी, जो मनुष्य को मनुष्य बनाने में मदद करती है। ऐसी विधि जो मनुष्य को केवल सक्षम नहीं, संवेदनशील भी बनाती है। भय यह नहीं है कि एक दिन मशीन मनुष्य बन जाएगी। भय यह है कि मनुष्य अपने सोचने, ठहरने और गलती करने के अधिकार से वंचित हो जाएगा, और तब यह दुनिया कैसी होगी, इसकी कल्पना ही सिहरन पैदा करती है, क्योंकि जिस गति से मनुष्य दौड़ रहा है, वह मानव तो रहने वाला है नहीं। यहीं से स्त्री का गणतंत्र जन्म लेता है। किसी उद्घोष से नहीं, बल्कि इस गहरी चिंता से कि मनुष्य कैसे बचा रहे?

स्त्री के लिए संविधान शब्दों से नहीं व्यवहार से लिखा जाता है: अंतिम निर्णय किसी बाहरी व्यवस्था से नहीं, मनुष्य के भीतर रचे गए विवेक से जन्म लेता है। स्त्री इस विवेक को जानती है, इसलिए उस पर भरोसा करती है। उसके घर का संविधान शब्दों में नहीं, व्यवहार में लिखा जाता है, जहां संवेदना कोई सजावटी मूल्य नहीं, बल्कि जीवन की अमूल्य शर्त है। वहां दक्षता उपयोगी हो सकती है, पर निर्णायक नहीं, उपलब्धि दिख सकती है, पर मनुष्यता से बड़ी नहीं होती। आज की स्त्री दोहरे मोर्चों पर डटी है। वह ऐसा घर बनाना चाहती है, जहां गणतंत्र किसी एक दिन का उत्सव नहीं, रोज का अभ्यास बने। छोटे-छोटे निर्णयों में, सुने गए प्रश्नों में, रोके गए मुद्दों में और उस सावधानी में, जिससे मनुष्य को परिणामों में नहीं बदला।

आज की सबसे बड़ी चुनौती: स्त्री जानती है कि प्रतीक जरूरी हैं, पर संरचना सजगता से बनती है। आज की स्त्री अनुभव से सीख चुकी है कि यदि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित है, तो वह अपने घर को प्रयोगशाला नहीं बनने देगी। वह नहीं चाहेगी कि बच्चे आंकड़ों में ढलें और संबंध माप-तौल में सिमट जाएं। आज की स्त्री की समझ सीधी भी है और गहरी भी। अगर नहीं है तो वह अपनी समझ गहरी करती है, क्योंकि घर के भीतर लोकतंत्र जीवित रहा, तो देश के गणतंत्र को बचाने के लिए बाहर किसी संघर्ष की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मानवता का गणतंत्र न भय पर टिका है, न किसी प्रलोभन पर, बल्कि उस स्वतंत्र सोच और सजग उपस्थिति पर टिका है, जो समय की आंखों में आंखें डालकर प्रश्न कर सके। क्योंकि जीवन भूलों में रहकर ही अपने लिए बेहतर चुनना सीखता है, और यही प्रक्रिया मनुष्य को मनुष्य बनाए रखती है। पर जिस गति से मशीन, मानवीय समय को स्थिर करती हुई मानकीकृत शक्ति को भस्मासुर की तरह बढ़ा रही है, वहां सबसे बड़ी चुनौती यही है कि मनुष्य अपनी अनुभूति, धीमी गति और चूक की संभावना को बचाए रखे। ऐसे समय में स्त्री को किसी एक पक्ष में नहीं, बल्कि संतुलन साधने के उपाय खोजने होंगे, ताकि तकनीकी साधन बनी रहे, निर्णायक न बने, और जीवन अपनी स्वाभाविक लय में बहता रहे। यही उसका गणतंत्र है, अघोषित, पर हर दिन जिया जाने वाला, निरंतर।

स्त्री के लिए चेतना की एक संरचना है गणतंत्र

आज की जागरूक स्त्री के लिए गणतंत्र केवल कोई राजनीतिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि चेतना की एक संरचना है। एक ऐसा आंतरिक संविधान, जो शोर में नहीं, आत्मसंवाद में रचा जाता है। यह वह गणतंत्र है, जहां सुविधा से पहले विवेक की बात की जाती है। गति से पहले ठहराव आता है और उत्तर से पहले प्रश्न पूछे जाते हैं। क्योंकि प्रश्न पूछना ही मनुष्य की अंतिम आजादी है। स्त्री जानती है कि तकनीक को न तो पूरी तरह नकारा जा सकता है, न आंख मूंदकर अपनाया जा सकता है। इसलिए वह गणतंत्र की गरिमा संसद के शोर में नहीं, अपने घर की चुप्पी में बचाने का संकल्प लेती है। घर जहां वह हर दिन, अनजाने ही, अपना संविधान लिखती है। इस संविधान में सबसे पहले अनुभव का अधिकार सुरक्षित होता है। हर समस्या का त्वरित समाधान नहीं दिया जाता। बच्चे को सोचने दिया जाता है, उलझने दिया जाता है, गिरने और उठने का अवसर दिया जाता है, क्योंकि जीवन उत्तरों से नहीं, प्रक्रिया और प्रतिक्रिया से बड़ा होता है। यहां प्रश्न पूछना अपराध नहीं होता। यहां असहमति अवज्ञा नहीं कहलाती। मशीन से उत्तर लेने से पहले मनुष्य से संवाद किया जाता है। शब्दों के बीच की खामोशी को भी सुना जाता है, समझा जाता है। यहां तकनीक साधन होती है, निर्णायक नहीं। चैटजीपीटी सहायक है, जीवनचर्या का विकल्प नहीं।

नेतृत्वशील बनकर मजबूत करें देश का गणतंत्र

अगर आपके भीतर नेतृत्व के गुण हैं तो आप सशक्त होकर देश के गणतंत्र को भी मजबूत करने में अपना योगदान दे सकती हैं। नेतृत्वशील कैसे बनें, जानिए-

भूमिका

नलिन खोईवाल

आप किसी भी क्षेत्र में हों, आपके भीतर नेतृत्व क्षमता यानी लीडरशिप की क्वालिटी है तो आप न सिर्फ तरक्की पाएंगी, सशक्तिकरण की राह पर भी आएंगी। इस तरह महिलाएं सशक्त बनकर, अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वाह करके देश के विकास में अपना योगदान देकर, देश का गणतंत्र मजबूत कर सकती हैं। आप भी नेतृत्वशील बनिए। इसके लिए आपके भीतर कुछ खूबियों का होना जरूरी है, ये कौन-सी हैं, जानिए-

त्वरित निर्णय लेने की क्षमता: अच्छा नेतृत्व वही कर सकता है, जो अच्छा प्रबंधक हो। अच्छा प्रबंधक बनने के लिए त्वरित निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। साथ ही कोई बात सही है या नहीं, योजना उचित है या नहीं, निर्णय न्यायसंगत है या नहीं, इसके लिए स्वविवेक से निर्णय लेने की भी क्षमता होना बहुत जरूरी है।

दृढ़ इच्छाशक्ति और सेवाभावी: कुशल नेतृत्व वही कर सकता है, जिसके भीतर दृढ़ इच्छाशक्ति और पक्का इरादा हो। आप जो भी निर्णय लें दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास के साथ लें। साथ ही आपका व्यक्तित्व सेवाभावी और दूसरों के प्रति सहानुभूति रखने वाला भी होना चाहिए।

चेहरा हो मुस्कान भरा: एक हंसता-मुस्कराता चेहरा, सौ मर्ज की दवा है। एक मधुर मुस्कान भारी से भारी थकान को चुटकी में दूर कर देती है। सफल प्रबंधन के लिए जरूरी है कि आप स्वभाव से हंसमुख भी हों।

ईमानदार, सामर्थ्यवान और बुद्धिमान बनें: आप जिस भी संस्थान में काम कर रही हों, वहां पूरी लगन, निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करें। काम कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, आपके भीतर उसे पूरे आत्मविश्वास के साथ करने की सामर्थ्य होनी चाहिए।

सोच हो सकारात्मक: आप जहां भी अपनी सेवाएं दें, नकारात्मक विचारों को त्यागकर सकारात्मक सोच के साथ अपनी सेवाएं दें। जैसी दृष्टि होगी, वैसी ही सृष्टि होगी। कर्म में विश्वास करें और औरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

समय प्रबंधन हो कुशल: नेतृत्व में कुशल महिलाएं हमेशा समय का उचित प्रबंधन करके चलती हैं, क्योंकि कम समय में बहुत सारे काम करने होते हैं। समय के साथ चलें और समय की कीमत को पहचान कर आगे बढ़ें। सफलता के लिए जरूरी है कि कार्य की प्राथमिकता तय कर कार्यों का निष्पादन करें।

बनें परिवर्तनशील और बढ़ावा दें नवचारिता को: परिवर्तन संसार का नियम है, परिस्थितियों के अनुसार प्रतिष्ठान की कार्यशैली में बदलाव करती रहें। नए-नए प्रयोग कर नवचारिता को बढ़ावा दें। इससे संस्थान में स्वस्थ वातावरण बनेगा, सबकी कार्यक्षमता बढ़ेगी।

हो समर्पण और टीम भावना: आप काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रहें और जरूरत पड़ने पर त्याग करने के लिए तत्पर रहें। सभी को साथ लेकर चलें, टीम भावना का विकास करें, क्योंकि संगठन में ही शक्ति है।

व्यक्तित्व हो सरल-सादगीपूर्ण: आपका व्यक्तित्व ऐसा सरल और सादगीपूर्ण होना चाहिए कि दूसरों पर एक अच्छा प्रभाव छोड़े और आप लोगों के लिए एक मिसाल बनें। दिखावे की जिंदगी न जिएं। सादा जीवन-उच्च विचार को महत्व दें।

व्यवहार हो मृदु: एक टीम लीडर के रूप में आपका प्रयास यही हो कि कार्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहे, इससे लोग अनावश्यक तनाव से बचे रहेंगे। आप भी निश्चिंत होकर अपने कार्य का निर्वहन अच्छे से कर पाएंगी।

यहां बताई गई इन बातों को ध्यान में रखेंगी तो सफलताएं आपकी कदम चूमेंगी। देश के विकास में आपकी अहम भूमिका होगी।

वसंत ऋतु में निहित भावबोध को समझें तो यह हमारे भीतर की एक अनुभूति भी है, जीवन जीने की एक कला है। आज की स्त्रियां इस जीवन कला को पूरे मन से अपना रही हैं, अपने संग अपनों के जीवन को वासंती रंगों से संवार रही हैं।

वसंत को जीवनपर्यंत जीती हैं स्त्रियां

जीवनशैली

सरस्वती रमेश

वसंत ऋतु परिवर्तन, सृजन, ज्ञान और नवजीवन का द्योतक है। माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी, शीत ऋतु के अंत और वसंत ऋतु के आगमन का संदेश लेकर आता है। एक तरह से यह प्रकृति की ऊष्मा को जीवन में उतारने का संदेश लेकर भी आता है। इस संदेश को अपनाने में महिलाएं सबसे आगे होती हैं। वसंत और महिलाओं की प्रकृति का यह साम्य आजीवन बना रहता है।

घर में बिखेरती हैं वसंत की सुगंध: एक स्त्री के जीवन का वसंत ठीक वैसा ही होता है, जैसा प्रकृति के बाहरी स्वरूप में दिखाई पड़ता है। जिस तरह प्रकृति अपने भीतर के साज, कोमलता, रंग, गंध और जीवन को वसंत के माध्यम से अभिव्यक्त करती है, ठीक वैसे ही एक स्त्री प्रकृति के इन विशेषणों को अपने जीवन और आचरण में धारण कर अपने घर-परिवार में बारहों महीने वसंत होने का अहसास भरती है। कोयल के कूकने में, आम्र मंजरियों की सुगंध में, सरसों के पीले फूलों को देखने में जो आनंद की अनुभूति होती है, कुछ-कुछ वैसी ही अनुभूति एक स्त्री सुबह-सुबह चाय की प्याली में भर कर घर भर में बिखेर देती है। उसके पकाने-खिलाने, सजाने-संवारने, पालने-पोसने से जुड़ी हर क्रिया में वसंत का ही राग और रंग निहित होता है। परिवार के हर सदस्य की जरूरत का ख्याल रखकर उनके जीवन में खुशी और संतुष्टि के फूल घर की स्त्री ही खिलाती है। स्त्री के परिश्रम और समर्पण से ही उसके घर के कोने-कोने में वसंत हर समय मुस्कुराता है।

अपनों के जीवन में घोलती हैं रंग: स्त्रियों के जीवन का वसंत कोमल या संकुचित नहीं जीवंत, कर्मठ और विस्तृत होता है। आज की स्त्री अपने जीवन में वसंत लाने के साथ ही अपने पूरे परिवार के सपनों में रंग भी भरती है। वसंत का अर्थ भी यही है। हर ओर फूल, हर ओर हरियाली, हर ओर खुशहाली। उसका मानना है कि जब तक परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने जीवन में संतुष्टि, कामयाबी, प्रेम, अपनत्व और प्रसन्नता का वसंत नहीं महसूस करेगा, तब तक उसके जीवन में आया वसंत एकाकी और उल्लासहीन रहेगा। उसमें उल्लास तभी शामिल होगा, जब उसके अपनों के मन के तार भी एक साथ झंकृत हों। इसीलिए आज की स्त्रियों ने घर-परिवार और बाहरी संसार के बीच कुछ इस तरह संतुलन बनाना सीख लिया है कि हर ओर वसंत मुस्कुरा उठे।

पराए को बना लेती हैं अपना: स्त्री के जीवन में वसंत जीवन भर उसके संग-संग सहचर बना रहता है। बचपन के दिनों में बाबुल के आंगन में उनकी चहचहाहट, किशोरवय की उनकी खिलखिलाहट वसंत के फूलों की तरह घर-आंगन में झरती रहती है। बेटियों के लिए उनके मां-बाप का दुलार-प्यार उनके जीवन के वसंत का सबसे मोहक पक्ष होता है। बहू के रूप में सास-ससुर, ननद, जेठ-जेठानी और देवर को सम्मान और स्नेह के सुगंध से अपना बना लेती हैं। पत्नी के रूप में अपने पति के जीवन का तो वसंत ही बन जाती हैं। ऐसी खिलती और महमहाती हैं कि पराया घर, पराए लोग कब अपने बन जाते हैं, पता ही नहीं चलता।

लुटाती हैं वसंत की ऊष्मा: स्त्रियां घर-परिवार में मनाए जाने वाले पर्व-त्योहारों में नए रंग भर देती हैं। रिश्तों में मायूसी की सारी बर्फ, ठिठुरन, ठहराव की शीत पर वसंत की ऊष्मा छिड़कते हुए हर ओर अपनेपन और प्यार के फूल खिलाती हैं, जीना सिखाती हैं।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन को यंग बनाएगा केले का छिलका

हम अकसर केला खाने के बाद उसका छिलका डस्टबिन में फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि केले का छिलका आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है? केले का छिलका एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन बी-6, विटामिन-सी, पोटेशियम और मिनरल्स से भरपूर होता है, जो कि आपकी त्वचा और बालों के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। विटामिन त्वचा को पोषण देते हैं और चमक बढ़ाते हैं। पोटेशियम त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है जबकि एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को धूप और प्रदूषण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

फेस मास्क: यह फेस मास्क बनाने के लिए केले के छिलके को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इन्हें मिक्सी में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस पेस्ट में आधा चम्मच चावल का आटा और आधा चम्मच चीनी मिलाएं। इन तीन चीजों को अच्छी तरह मिक्स करें। इस तरह आपका नेचुरल फेस मास्क तैयार हो जाएगा। इस फेस मास्क को अप्लाई करने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से जरूर धो लें ताकि त्वचा पर जमी मैल और गंदगी हट जाए अन्यथा इसके पॉजिटिव रिजल्ट नहीं आएंगे। इसके बाद इस फेस मास्क को त्वचा पर समान रूप से लगाएं और प्राकृतिक तौर पर सूखने दें। जब मास्क सूख जाए तो ठंडे पानी से चेहरा धो लें। इस मास्क को रोजाना एक बार लगाने से आपकी त्वचा मुलायम, साफ और चमकदार बनेगी। आप चाहें तो यह पेस्ट ज्यादा मात्रा में बनाकर एयर टाइट कंटेनर में भी रख सकती हैं और जरूरत के अनुसार इसका उपयोग कर सकती हैं।

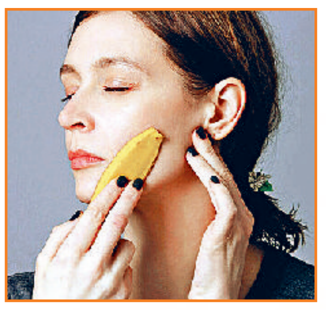

फाइन लाइंस के लिए: अगर आपके चेहरे पर समय से पहले फाइन लाइंस आनी शुरू हो गई है या दाग-धब्बों से परेशान हैं। तो भी केले का छिलका मददगार हो सकता है। इसके लिए पके हुए केले का छिलका लेकर अंदर वाले हिस्से से चेहरे पर धीरे-धीरे मसाज करें। खासकर दाग-धब्बों या पिंपल्स वाली जगह पर। इसके बाद आधे घंटे तक छोड़ दें और फिर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

रिंकल्सफ्री स्किन के लिए: केले के छिलके के अंदर वाले हिस्से को चेहरे पर कुछ मिनट के लिए रगड़ें, फिर गुलाब जल लगाएं। इसके बाद 25 मिनट के बाद चेहरा धो लें। बेहतर परिणामों के लिए इसका नियमित इस्तेमाल करें।

स्किन टोनिंग के लिए: केले के छिलके को मैश करके इसमें दही मिलाकर स्मूद पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद आधे घंटे के लिए छोड़ दें फिर ताजे ठंडे पानी से धो डालें। इसके नियमित उपयोग से कील-मुंहासों को चेक करने में भी मदद मिलेगी।

डार्क सर्कल के लिए: आंखों के नीचे के काले घेरे दूर करने में भी केले का छिलका असरदार साबित होता है। इसके लिए आपको सबसे पहले केले के अंदर का सारा रेशा निकालना होगा। इसमें एक चम्मच एलोवेरा जैल मिलाकर आंखों के आस-पास 15-20 मिनट लगाएं और बाद में ताजे पानी से धो डालें। इसके रोजाना उपयोग से आंखों के नीचे की रंगत में असर दिखाई देगा।

नई सोच

चैतन्या

इस बार वसंत ऋतु में सरस्वती पूजन का पर्व और राष्ट्रीय बालिका दिवस (24 जनवरी) का संयोग, अपने में कई संदेश लेकर आया है। संदेश यह कि हमारे प्रोत्साहन से बेटियां अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं।

हमारी बेटियां बनें विवेकशील-सशक्त

वसंत, नव सृजन और उल्लास की रुत है। यह मौसम हर ओर खिले रंग-बिरंगे फूलों और भंवरों की गुंजन के बीच नई ऊर्जा संग जीवन से जुड़ जाने का उल्लास साथ लाता है। मां शारदा की उपासना का उत्सव, वसंत पंचमी भी सर्दी के कुहासे से निकलकर प्रकृति की रौनक से मिलने का पर्व है। ज्ञान, संगीत और कला की देवी वीणावादिनी के अर्चन का पर्व मन से रचनात्मक और जीवन को उल्लासित दृष्टि से देखने वाली बेटियों के लिए भी बहुत अहम होता है। हमारे परिवारों में समय के साथ आए बदलावों ने इस पर्व को और सार्थक बना दिया है। बेटियों की शिक्षा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता के प्रति बदली सोच वसंत पंचमी के उत्सव से जुड़े सुंदर-स्नेह भरे रंगों से मिलवाती है। जिसमें देवी की आराधना के साथ ही बेटी की अनुभूतियों को समझने का भाव भी जुड़ गया है।

लाडलियों के ज्ञान का मान: बेटियां हमेशा से ही घर-आंगन की रौनक मानी जाती हैं। उनकी खिलखिलाहट के बिना हर उत्सव अधूरा लगता है। बेटियों की खुशी और उल्लास अपनों के जीवन में वासंती रंग भर देते हैं। नृत्य-संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में बेटियों की खूब रुचि रहती है। एक समय था, जब उनके अस्तित्व को घर के बाहर की दुनिया से जोड़कर नहीं देखा जाता था। कलात्मक क्षेत्रों में उनके रुझान को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन अब बेटियां अपनी कला, बुद्धि और विवेक से हर ओर छाई हुई हैं। परिवार से लेकर समाज और देश के आंगन तक, बेटियों की मौजूदगी दिखती है। उनकी भागीदारी ही नहीं ज्ञान का भी मान होने लगा है। लाडलियों की रचनात्मकता पर अब उनके अपने गर्व करते हैं। ऐसे में ज्ञान, कला और संगीत की देवी के पूजन का पर्व और प्रासंगिक लगता है। वैसे भी वसंत पंचमी का त्योहार पौराणिक और धार्मिक महत्व का ही नहीं सृजनात्मक कार्यों की नई शुरुआत के लिए भी बहुत खास होता है। इस दिन बेटियां भी माता सरस्वती से अपनी प्रतिभा निखारने का आशीर्वाद मांगती हैं।

सशक्त बनाता स्नेह: हमारे घरों में अब बेटियों को देश की शिक्षित-सजग नागरिक बनाने वाला स्नेही भाव साफ दिखता है। यह बदलाव हर बालिका को सही मायने में सशक्त बनाने वाला है। कहते हैं कि अज्ञान का अंधकार दूर होने से ही जिंदगी में सुनहरा सवेरा होता है। मां सरस्वती की उपासना का यह पर्व भी मन को चेतनामयी बनाने का ही तो उत्सव है। देखने में आ रहा है कि अब बिटिया के जज्बाती भावों को नहीं, जागरूक सोच को भी जरूरी माना जाने लगा है। अपनी लाडलियों को प्रभावी व्यक्तित्व की धनी बनाने पर जोर दिया जाता है। जिसके चलते ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माता शारदा की उपासना की रीत वाले हमारे परिवेश में बेटियां भी अपनी बुद्धि और समझ के बल पर नित नए आसमान छू रही हैं। हर दिन अपनी जिजीविषा और प्रतिबद्धता के बल पर कुछ कर गुजरने के उदाहरण सामने आते रहते हैं।

भविष्य की बुनियाद: असल में वसंत की दस्तक को सार्थक विचारों का आगमन भी माना जाता है। बेटियों के प्रति बर्ताव में आया अर्थपूर्ण बदलाव, परिवार ही नहीं, पूरे समाज के भविष्य की बुनियाद बनाने की भी शुरुआत है। घर-परिवार में लाडलियों के प्रति लगाव का भाव उनके स्वतंत्र अस्तित्व और आकांक्षाओं की स्वीकार्यता के सुखद पहलू लिए है।

खबर संक्षेप

रघुनाथपुरा में बच्चों को पढ़ाया अनुशासन का पाठ

नारनौल। सड़क सुरक्षा माह के तहत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय रघुनाथपुरा में ट्रैफिक एसएचओ एवं निरीक्षक नरेश कुमार एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाना था। कार्यक्रम के दौरान एसएचओ ट्रैफिक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें बताया कि थोड़ी सी सावधानी किस प्रकार बड़े हादसों को टाल सकती है।

राव नेतराम के विद्यार्थियों ने दिखाया दमखम

नारनौल। राजकीय उच्च विद्यालय ताजपुर में सोमवार को ब्लाक स्तरीय कानूनी साक्षरता प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में राव नेतराम के विद्यार्थियों ने दमखम दिया। विद्यालय पहुंचने पर प्राचार्य अनीता देवी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया कि विद्यालय का परिणाम सराहनीय रहा। नाटक में पायल, रिमी, तानिया, सानिया, हर्षिता, छवि, नम्रता, खुशबू प्रथम, कविता में शुभम प्रथम, पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण में अंशु प्रथम, भाषण खुशबू द्वितीय, वाद-विवाद में कोमल, निशू प्रथम, प्रश्नोतरी में सुमित, किरण, अशिका द्वितीय, डोक्यूमेन्ट्री में राधिका प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी जीत दर्ज की।

आज फ्रांसखाना में सुंदरकांड पाठ

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल की ओर से साप्ताहिक निशुल्क सुंदरकांड पाठ का आयोजन मंगलवार रात मोहल्ला फ्रांस खाना में किया जाएगा। यह पाठ दीपक मित्तल मनीष मित्तल के आवास पर होगा। मंडल सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया कि सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे। सुंदरकांड पाठ के बाद भजनों का दौर शुरू होगा जिसमें शहर के गायक कलाकार भजनों से बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे

22 जनवरी को होगी वार्ड नंबर एक की एरिया सभा

नारनौल। नगर परिषद भी अब ग्राम पंचायतों की भांति एरिया सभा आयोजित करेगी। पहली एरिया सभा वार्ड नंबर एक में होगी। नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी सुशील कुमार भुक्कल ने बताया कि नगर परिषद के वार्ड नंबर एक की एरिया सभा संख्या एक के सभी मतदाताओं को सूचित किया जाता है कि हरियाणा नगर परिषद नागरिक भागीदारी अधिनियम 2008 के प्रावधानों अनुसार 22 जनवरी को प्रातः 11 बजे एरिया सभा की बैठक ग्राम सचिवालय किरारोद की ढाणी वार्ड संख्या एक स्थान पर आयोजित की जाएगी। एरिया सभा के 10 प्रतिशत मतदाताओं को भाग लेना जरूरी।

जिलास्तरीय क्विज एवं डिक्लेमेशन प्रतियोगिता का आयोजन

जिलास्तरीय प्रतियोगिता में सतनाली कॉलेज की रवीना ने मारी बाजी

> सरस्वती नदी भारतीय सभ्यता की प्राचीन धरोहर है, जिसे जानना और संरक्षित करना हम सभी का कर्तव्य है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को संबोधित करते मुख्यातिथि। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में सरस्वती महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता एवं डिक्लेमेशन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, इतिहास एवं सरस्वती नदी के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ राजकीय महिला महाविद्यालय व्राचार्य प्रोफेसर महेंद्र सिंह तथा प्रोफेसर विजय यादव द्वारा संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में किया गया। इस दौरान मुख्यातिथि प्रोफेसर महेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को सरस्वती नदी के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं भौगोलिक महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

सरस्वती नदी भारतीय सभ्यता की प्राचीन धरोहर है, जिसे जानना और संरक्षित करना हम सभी का कर्तव्य है। प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा सभी प्रतिभागियों को इस प्रकार की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन संस्कृत विभाग विभागाध्यक्ष डॉ. बलजीत सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने सरस्वती नदी से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्यों के साथ-साथ कार्यक्रम की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और विद्यार्थियों को प्रेरणादायक जानकारी उपलब्ध करवाई। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में राजकीय महाविद्यालय सतनाली की छात्रा रवीना पुत्री राजेश कुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वहीं डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में भी रवीना ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से प्रथम स्थान हासिल कर महाविद्यालय एवं जिले का नाम गौरवान्वित किया। कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वयन महाविद्यालय की सांस्कृतिक गतिविधियों प्रभारी डॉ. पविता यादव के नेतृत्व में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. ममता शर्मा, डॉ. संजय शर्मा एवं डॉ. किरण यादव द्वारा निभाई गई। कार्यक्रम के दौरान टाइम कीपर की भूमिका कीर्ति स्वरूप द्वारा अत्यंत पाबंदी एवं समयबद्धता के साथ निभाई गई, जिससे समस्त प्रतियोगिता निर्धारित समय-सीमा में सुचारु रूप से संपन्न हुईं। इस अवसर पर जिले के विभिन्न महाविद्यालय से आए विद्यार्थी, शिक्षक एवं महाविद्यालय के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

एमएलएस डीएवी स्कूल के स्काउट्स को प्राचार्य ने किया सम्मानित

नारनौल। भारत स्काउट एवं गाइडू के हरियाणा राज्य प्रशिक्षण केन्द्र अंबाला कैंट में 31 दिसम्बर से तीन जनवरी तक राज्य पुरस्कार स्काउट एवं गाइड ट्रेनिंग कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणा राज्य के विभिन्न विद्यालयों से स्काउट्स ने भाग लिया। इस शिविर में एमएलएस डीएवी स्कूल से भी 21 स्काउट्स ने अध्यापक आशीष यादव व रितेश यादव के मार्गदर्शन में भाग लिया। इस शिविर में विद्यार्थियों को अनेक प्रयोग जीवानुपयोगी गतिविधियां सिखाई गई। विद्यार्थियों को नेतृत्व व टीम वर्क, सामुदायिक सेवा का गुण, स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति जागरुकता जैसे अनेक कौशल सिखाए गए तथा उन्हें अनुशासन में रहना सिखाया गया। इस चार दिवसीय शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को भारत स्काउट और गाइड के हरियाणा राज्य प्रशिक्षण केन्द्र के द्वारा सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। सोमवार को प्राचार्य राजेश कुमार ने सभी स्काउट्स को प्रार्थना सभा में सहभागिता प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया और उनका मनोबल बढाया। उन्होंने स्काउट्स के अनुशासन व कार्यकुशलता की सराहना की। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को बताया कि अनुशासन व्यक्ति के व्यवहार और कार्यप्रणाली को सही दिशा देता है और उसके व्यक्तित्व का विकास करता है।

नेताजी के आदर्श आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक: प्रो. नरेश

- आदर्श व स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान के महत्व को बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विजेताओं को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों में नेताजी के जीवन, उनके आदर्श और स्वतंत्रता आंदोलन में उनके योगदान के महत्व को उजागर करना था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी प्राचार्य प्रो. नरेश यादव ने की। अपने उद्घाटन भाषण में प्रो. नरेश यादव ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जीवन और उनके साहसिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार उनके नेतृत्व और संघर्ष ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि नेताजी के आदर्श आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक हैं।

महाविद्यालय के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानी राव जैमल मेमोरियल ट्रस्ट और नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्मारक समिति के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें मुख्य रूप से भाषण प्रतियोगिता और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे। कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों ने नेताजी के जीवन और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े विषयों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के आयोजन और संचालन का जिम्मा सतपाल सुलोदीया ने संभाला, जबकि निर्णायक मंडल में डॉ. पारुल यादव, डॉ. धीरज और डॉ. अमित कुमार उपस्थित रहे।

देवास व माजरा कलां में चलाया जागरूकता अभियान

महेंद्रगढ़। पुलिस टीम ने थाना सदरके अंतर्गत आने वाले गांव देवास और माजरा कलां का दौरा किया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज को नशा मुक्त बनाना है। गांव देवास में पोस्ट ऑफिस के पास और गांव माजरा कलां में पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भाग लिया। निरीक्षक शारदा बताया कि पुलिस नशे की गिरफ्त में आ चुके लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए प्रयासरत है, जो पीड़ित नशा छोड़ना चाहते हैं, पुलिस उनकी हर संभव मदद करेगी। अभियान के दौरान पुलिस ने मानस हेल्पलाइन नंबर 1933 के बारे में विस्तार से बताया। महिला सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई। उपस्थित महिलाओं को डायल 112 ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा और महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

सूरज के 30 विद्यार्थियों का साइंस एवं मैथ ओलंपियाड में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

साईंस ओलम्पियाड फाउंडेशन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ओलम्पियाड़ में गणित और विज्ञान का परिणाम जारी किया गया, जिसमें सूरज स्कूल के 30 से अधिक विद्यार्थियो ने सफलता हासिल की। विज्ञान एवं गणित विषय में 30 से अधिक विद्यार्थियो को ओलम्पियाड़ फाउंडेशन द्वारा गोल्ड मेडल ऑफ एक्सीलैंस तथा मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। ये सभी विद्यार्थी इस परीक्षा में द्वितीय चरण में भाग लेंगे। इसमें सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थियों में हिमांशी, दीपांशु, कठोर, वीरेश, निशा, तनिष, अंकुर, अवशेष, नीतीश, चिराग शर्मा, रमन, समीक्षा, दीक्षा, कार्तिक, दक्ष, आरव, मयंक, श्रुति, डिम्पल, पार्टिग्या, कविता, पलक, नेहा, तनीषा, प्राची, निखिल, कृष, भूमिका शर्मा, रिया, चहल तंवर शामिल रहे।

विद्यालय के निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ओलम्पियाड़ में भारत सहित विभिन्न देशों के विद्यार्थी भाग लेते है। ऐसी प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रैंक प्राप्त करना गौरव का विषय है। इस प्रकार की प्रतिष्ठित परीक्षा में सफलता के पीछे उचित मार्गदर्शन, समायोजित तैयारी और कड़ी मेहनत का योगदान होता है। ऐसी सफलता से विद्यार्थियों में जो आत्मविश्वास उत्पन्न होता है वह उन्हे भविष्य में बड़ी प्रतियोगिता के लिए मार्ग दिखाता है। विद्यालय प्राचार्य, कॉर्डिनेटर सहित समस्त स्टाफ ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि को सराहा और भविष्य के लिए उन्हे शुभकामना दीं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत निकाली जागरूकता रैली

सतनाली। बेटी बचाओ-बेटी पढाओ पर जागरुकता रैली निकालते हुए।

सतनाली मंडी। गांव बास सतनाली में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। डा. मनीष यादव के दिशानिर्देश पर आयोजित जागरूकता रैली को रवाना करते हुए सरपंच कर्णपाल ने कहा कि बेटियों को शिक्षित कर ही हम एक सशक्त और विकसित समाज का निर्माण कर सकते हैं। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ केवल एक नारा नहीं, बल्कि समाज की सोच बदलने का अभियान है। इस अवसर पर स्वास्थ्यकर्मी होशियार सिंह ने कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे बेटा-बेटी में भेदभाव न करें। इस अवसर पर एएनएम अनिता, विनू व सुनीता, आशा वर्कर फूलपति, सुशीला व संगीता, मा. रामनिवास, मा. बंसी, सरोज आदि सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के विद्यार्थियों का राष्ट्रीय स्तर पर रहा शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी शिक्षा निकेतन के विद्यार्थियों ने 25वीं ऑल इंडिया 'भारत को जानो' क्विज प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है।

यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता पुणे, महाराष्ट्र में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सीनियर ग्रुप में विद्यालय की छात्रा ईशिका मित्तल पुत्री अनिल कुमार एवं अंजना मित्तल तथा छात्र ध्रुव पुत्र सुबेसिंह एवं सरस्वती देवी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय प्रांगण में आयोजित मॉर्निंग असेंबली के दौरान विजेता विद्यार्थियों को विद्यालय प्रबंधन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें प्रमाण पत्र एवं शुभकामनाएँ प्रदान की गईं। प्रधानाचार्य नरेश कुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के ज्ञान, तार्किक क्षमता एवं राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को आगे भी निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। डायरेक्टर सुरेश यादव ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास का प्रतीक है। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन एवं शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यदुवंशी ग्रुप निरंतर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्यरत है।

राव नेतराम स्कूल के बच्चों ने दिखाया दमखम

नारनौल। राजकीय उच्च विद्यालय ताजपुर में सोमवार को ब्लाक स्तरीय कानूनी साक्षरता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में राव नेतराम के विद्यार्थियों ने दमखम दिया। विद्यालय पहुंचने पर विद्यालयस प्राचार्य अनिता देवी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए बताया विद्यालय का परिणाम सराहनीय रहा। नाटक में पायल, रिमी, तानिया, सानिया, हर्षिता, छवि, नम्रता, खुशबु प्रथम, कविता में शुभम प्रथम, पॉवर पूवाईट प्रस्तुतिकरण अन्शु प्रथम, भाषण खुशबु द्वितीय, वाद-विवाद मे कोमल, निशू प्रथम, प्रश्नोतरी में सुमित, किरण, अशिका द्वितीय, डोक्यूमेन्ट्री मे राधिका प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी जीत दर्ज की। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से बच्चों में कानूनी साक्षरता का ज्ञान बढ़ता है। विजेता प्रतिभागी जिला स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता मे भाग लेगें। इस मौके पर पूजा शर्मा, प्रियंका व अन्य विधालय स्टाफ उपस्थित रहा।

नारनौल। विजेता प्रतिभागी के साथ अध्यापक। फोटो: हरिभूमि

जागरूकता व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। विद्यार्थियों के साथ शिक्षण महाविद्यालय स्टाफ। फोटो: हरिभूमि

राजकीय शिक्षण महाविद्यालय में सोमवार को सड़क सुरक्षा अभियान माह के अंतर्गत जिला रेडक्रास एवं शिक्षा विभाग की ओर से जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की कार्यकारी प्रचार्या डा. रेखा कुमारी ने की। टेकचंद यादव ने सड़क सुरक्षा पर श्लोगन सहित एक विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होने बताया कि सड़क पर चलते समय सड़क पर बने हुए चिन्हों के दिशा-निर्देशों के अनुसार वाहन चलाना चाहिए। इसके लिए इन्होंने तीन तरह के चिन्हों के बारे में बताया, जिसमें निर्देशात्मक चिन्ह गोलाकार आकृति में, चेतावनी चिन्ह त्रिभुज आकृति, सूचनात्मक चिन्ह आयताकार आकृति एवं उल्टे त्रिभुज की आकृति में बना चिन्ह सबसे पहले आवश्यकता वाले वाहन को रास्ता देने के लिए होता है। किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर 112 नम्बर डायल करें तथा राष्टीय राजमार्ग पर दुर्घटना होने पर 1033 नम्बर पर डायल करें।

दुर्घटना ग्रस्त की जान बचाने के लिए अस्पताल तक पहुंचाने वाले व्यक्ति को 25000 रुपये का ईनाम दिए जाने वाले सरकारी प्रावधान की भी जानकारी दी। इसके साथ ही महाविद्यालय की तरफ से जिला रेडक्रास सोसायटी के बैनर तले एक रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने नारो के माध्यम से सड़क सुरक्षा का संदेश देते हुए बढ़चढ़ कर भाग लिया तथा सड़क सुरक्षा नियमों के पालन करने की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर डा. हंसराज डीपीई, मुकेश डीपीई एवं प्रदीप कुमार, सुरेन्द्र कुमार, संजीव, सुनील, रामअवदेश, दीपक, चंदन, बाबुलाल, फतेहसिंह, रविन्द्र, पपीता आदि उपसथित रहे।

ग्रामसभा की बैठक में ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने एसडीएम कनिका गोयल का जताया आभार

राजावास के सरकारी स्कूल का बिजली कनेक्शन ग्रामीण फीडर से जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। एसडीएम कनिका गोयल को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

उपमंडल के गांव राजावास स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का बिजली कनेक्शन गांव के फीडर से जोड़ दिया गया है। स्कूल के बिजली कनेक्शन को गांव के फीडर से जोड़ने की मांग सरपंच व ग्रामीणों ने महेंद्रगढ़ में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक में सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा के सामने रखी गई थी। जिस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए सहकारिता मंत्री ने एसडीएम कनिका गोयल को जल्द से जल्द समस्या का समाधान करवाने के निर्देश दिए।

एसडीएम कनिका गोयल ने बिजली निगम के अधिकारियों के साथ स्कूल का निरीक्षण किया और राजावास स्कूल के बिजली कनेक्शन को गांव के फीडर से जोड़ने का एस्टीमेट तैयार करवाया और स्कूल की लाइट एक माह के अंदर गांव के फीडर से जोड़ा गया। इससे पहले स्कूल में एग्रीकल्चर फीडर से बिजली आपूर्ति होती थी जो अधिकतर समय रात में ही आती थी, इसलिए आमतौर पर दिन के समय बिजली की समस्या बनी रहती थी। गांव के फीडर से बिजली जोड़े जाने के बाद अब स्कूल में दिन के समय बिजली की सुविधा मिल सकेगी। जिसके लिए ग्राम पंचायत और गांव के सभी ग्रामीण सरकार व प्रशासन के आभारी हैं।

एसडीएम कनिका गोयल राजावास गांव के पंचायत भवन में आयोजित ग्राम सभा की बैठक में पहुंची। इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों व ग्रामीणों ने स्कूल की लाइट गांव के फीडर से जोड़ने पर एसडीएम कनिका गोयल का आभार जताया और उन्हें स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान गांव के सरपंच मोहित कुमार, पंच व अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पुलिस के साथ वालंटियर संभालेंगे कार्यक्रम की व्यवस्था

महामंडलेशवर श्रीरामभद्राचार्य की सात दिवसीय श्रीराम कथा में 5 लाख श्रद्धालु पहुंचने का अनुमान

भगवान श्रीराम के सिद्धांतों का अनुसरण करने वाले परिवारों में द्वेष नहीं पनप सकता, मोह, लोभ और लालच से मिलेगा छुटकारा: विनीत पिलानिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

अमरपुर जौरासी धाम में 23 जनवरी से आयोजित होने वाली सात दिवसीय श्रीराम कथा की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कमेटी की बैठक हुई। जिसमें श्रद्धालुओं को बैठने और उनकी विभिन्न सुविधाओं पर मंथन किया। 151 कुंडों का निर्माण करके उनकी सजावट करने की जिम्मेवारियों सौंपी गई हैं, साथ ही वालियंटरों की नियुक्ति की गई है। जिन्हें पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर व्यवस्थाएं बनाए रखने में योगदान देने की हिदायत दी गई है। उक्त जानकारी कार्यक्रम के संयोजक विनीत पिलानियां व गौसेवक सुधीर चौधरी ने गांवड़ी जाट में ग्रामीणों को न्यौता देते हुए दी है।

निजामपुर। श्रीराम कथा स्थल का जायजा लेते धाम के पुजारी कमलकांत व गौसेवक सुधीर चौधरी। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम ने समाज को जोड़ने तथा बुजुर्गों का सम्मान बढ़ने के लिए त्याग व बलिदान की मिशाल कायम की थी। उन्होंने सामाजिक मर्यादाओं की पालना करने के लिए सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया तथा परिवार में द्वेष भावना का समावेश नहीं होने दिया। पिता के वचनों का सम्मान बढ़ाने के लिए उन्होंने 14 साल तक सन्यासी जीवन यापन किया था, जिससे समाज को मातृ-पितृ भक्त होने का संदेश मिलता रहेगा। भगवान श्रीराम के सिद्धांतों और मर्यादाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अमरपुर जौरासी धाम पर प्रदेश स्तरीय श्रीराम कथा का आयोजन होगा जिसमें 100 से अधिक मंडलाधीश व दिग्गज राजनेता शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि श्रीरामभद्राचार्य द्वारा पहले दिन शिव विवाह, दूसरे दिन श्रीराम जन्म कथा, तीसरे दिन बाल लीला, चौथे दिन सीताराम विवाह कथा, पांचवे दिन श्रीराम वन प्रस्थान व केवट चरित्र वर्णन, छठे दिन शबरी प्रेम कथा तथा सातवें दिन रावण वध व श्रीराम का राजतिलक पर आधारित कथा होगी। कथा कार्यक्रम के लिए करीब 50 एकड़ जमीन का प्रबंध किया गया है। पांच हजार वालिटीयर व सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ता सेवाएं देंगे।

वीआइपी पार्किंग में 600 वाहन खड़े होने की क्षमता, 28 एकड़ में लगेगा पंडाल

कार्यक्रम के संयोजक विनीत पिलानिया एवं समाजसेवी सुधीर चौधरी ने बताया कि पंडाल के बायीं तरफ छह वाहनों की पार्किंग के लिए जगह निर्धारित की है, जहां वीआइपी व मठाधीशों की गाड़ियां खड़ी होंगी। इससे 500 मीटर दूरी पर एक-एक हजार वाहनों की दो पार्किंग बनाई जाएंगी। श्रीराम कथा के लिए 28 एकड़ जमीन पर वाटर प्रूफ पंडाल लगाया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा।

अवार्ड शिक्षण कार्यों के शिक्षाविदों को प्रेरणा देगा

शिक्षक सुभाषचंद यादव को मिला आरडी सोमानी शिक्षा रत्न अवार्ड

नारनौल। शिक्षा रत्न अवार्डी सुभाषचंद अवार्ड में मिले प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न।

नारनौल। जिला के पोता गांव निवासी प्रमुख शिक्षाविद् और महाराणा प्रताप शिक्षण महाविद्यालय के प्राध्यापक सुभाषचंद यादव को स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमानी शिक्षा रत्न अवार्ड मिला है। ।उन्हें यह अवार्ड गत दिवस रेवाड़ी में सोमानी इंजीनियरिंग कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह में संस्था के चेयरमैन विजय सोमानी तथा अन्य सदस्यों ने प्रदान किया। महाविद्यालय में पहुंचने पर स्टाफ सदस्यों ने सुभाषचंद यादव को साफा पहनाकर सम्मानित किया तथा लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। स्टाफ सदस्य प्राध्यापक नवीन जांगड़ा, रितिक व परमजीत शर्मा ने कहा कि सुभाषचंद यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में ईमानदारी और पूरी निष्ठा से जो कार्य किया है, वह एक मिसाल है। उनको यह अवार्ड मिलने से इलाके के दूसरे शिक्षण कार्यों से जुड़े शिक्षाविदों को प्रेरणा देगा। सुभाष यादव ने अवार्ड के लिए स्वतंत्रता सेनानी आरडी सोमाणी शिक्षण संस्थान रेवाड़ी का आभार जताया। उन्होंने अवार्ड की मर्यादा को अक्षुण रखने के लिए और अधिक मेहनत, कार्यकुशलता और निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

शिक्षा और खेल से बनेगी बेटियों की पहचान: बहादुर सिंह

चतुर्थ एथलेटिक मीट में छात्राओं ने दिखाया साहस, ईशा सर्वश्रेष्ठ एथलीट

■ खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

राजकीय महिला महाविद्यालय उन्हाणी में सोमवार को चतुर्थ वार्षिक एथलेटिक मीट व सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि नांगल चौधरी के पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह थे। जिन्होंने खेलों में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पारितोषिक वितरण किया सम्मानित किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा और खेल छात्राओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाते हैं। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं, बल्कि अनुशासन, धैर्य, टीम भावना एवं सकारात्मक सोच का भी विकास करते हैं।बेटियां शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी पहचान कायम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से हैं छात्राओं में राष्ट्र के प्रति प्रेम और समर्पण की भावना जागृत होती है।

कनीना। मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते मुख्य अतिथि व अन्य। फोटो : हरिभूमि

1500 मीटर दौड़ में ईशा रही प्रथम

प्राचार्य डॉ विक्रम यादव ने कहा कि महाविद्यालय छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। महाविद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियां छात्राओं में आत्मविश्वास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागी छात्राओं को पढ़ाई तथा खेलों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। एथलेटिक मीट के दौरान विभिन्न ट्रैक एवं फील्ड प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें छात्राओं ने पूरे उत्साह एवं खेल भावना के साथ भाग लिया। उन्होंने बताया कि 1500 मीटर दौड़ में ईशा प्रथम, निधि द्वितीय एवं खुशबु तृतीय स्थान पर रहीं। 800 मीटर दौड़ में निधि प्रथम, निकिता द्वितीय तथा उमा तृतीय स्थान पर रहीं।

विजेता सम्मानित

400 मीटर एवं 100 मीटर दौड़ में क्रमशः ईशा व मौसम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। फील्ड प्रतियोगिताओं में डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो एवं शॉट पुट में मीनाक्षी व ईशा का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। लॉन्ग जंप एवं हाई जंप में ईशा ने प्रथम स्थान हासिल किया। समग्र उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर ईशा को प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया।समापन समारोह में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । जबकि सर्वश्रेष्ठ एथलीट को विशेष पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। सात दिवसीय विशेष शिविर में तनीषा व बिंदु सर्वश्रेष्ठ कैम्पर तथा अंजली व निधि सर्वश्रेष्ठ स्वयंसेविका रही है ।कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी नीतू कुमारी व सीमा कुमारी द्वारा किया गया। एथलेटिक्स मीट का आयोजन सत्यजीत यादव की देख रेख में किया गया।

शिविर में प्राप्त हो रही पीपीपी, बिजली,पानी संबंधित समस्याएं

समाधान शिविर में सीटीएम सैन ने सुनीं 72 शिकायतें

नारनौल। हरियाणा सरकार के निर्देश अनुसार सोमवार लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने आमजन की समस्याएं सुनीं। नगराधीश डॉ. मंगल सेन ने कहा कि हरियाणा सरकार का यह प्रयास जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि सोमवार को समाधान शिविर में कुल 72 शिकायतें प्राप्त हुईं,जिनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का मौके पर ही प्राथमिकता के आधार पर निपटान सुनिश्चित किया जाए। जिससे आमजन को आने वाली समस्याओं का त्वरित व पारदर्शी समाधान मिल सके। उन्होंने बताया कि शिविरों में मुख्य रूप से परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, पुलिस, बिजली, पानी, और सड़क से संबंधित शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। इस मौके पर डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

■ डीएसपी सुरेश कुमार भीं रहे मौजूद

नारनौल। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते नगराधीश डॉ मंगल सेन। फोटो : हरिभूमि

जैलाफ से चिंडालिया के रास्ते को पक्का करने की मांग, सौंपा ज्ञापन

नारनौल। गांव जैलाफ के सामाजिक कार्यकर्ता छाजूराम रावत ने जैलाफ से चिंडालिया रास्ता पक्का बनवाने की मांग की है। रावत ने बताया कि इसके लिए गत 24 जुलाई 2025 को नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव को उनके हल्का के गांवों के दौरे के दौरान भी यह मांग उठाई गई थी और आज सोमवार को उनके निजी सचिव को ज्ञापन सौंपा गया है। गांव जैलाफ के ग्राम पंचायत मेम्बर पंच त्रिलोक चंद भरगड़, अमर सिंह पंच, हनुमान इन्स्पेक्टर, बाबूलाल, रोहतास, छितरमल नम्बरदार, मुकेश मुकदम, शीशराम ने बताया कि जैलाफ-चिंडालिया रास्ता पर गांव के खेत लगते हैं। खेतों में आने जाने के लिए गांव के ग्रामीणों, पशुओं के लिए चारा लाने के लिए महिलाओं को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने ज्ञापन देते हुए बताया कि यह रास्ता दो गांवों को जोड़ने के साथ–साथ राजस्थान की सीमावर्ती गांवों को भी जोड़ती है।

महिलाओं को करना पड़ रहा परेशानी का सामना

बीईओ से डिप्टी डीईओ पदोन्नत होने पर कर्मचारियों ने किया स्वागत

कनीना। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय के बीईओ का जिला उप शिक्षा अधिकारी के पद पर परमोशन होने पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कर्मचारियों ने दिलबाग सिंह का स्वागत सत्कार किया। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय कर्मचारी गुलशन ने बताया कि गत दिनों शिक्षा विभाग द्वारा दिलबाग सिंह को खंड शिक्षा अधिकारी से पदोन्नत कर के उप जिला शिक्षा अधिकारी बनाने के आदेश जारी किए थे। दिलबाग सिंह द्वारा शिक्षा विभाग में 1994 में बतौर प्रवक्ता के पद पर सेवा कार्य शुरू किया था। वर्ष 2018 में इन्हें राज्य शिक्षक पुरुस्कार से नवाजा गया। दिलबाग सिंह ने कहा कि पदोन्नति के बाद वे अपना कार्य पूरी निष्ठा के पूरा करेंगे।

20 से 25 जनवरी तक होंगे नामांकन

अंबेडकर स्मारक समिति में चल रही चुनावी प्रक्रिया में आया नया आदेश

नामांकन पत्र दाखिल करने का समय अब 20 से 25 जनवरी तक, वहीं अब चुनाव आठ को होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति में चल रही चुनावी प्रक्रिया के समय में फेरबदल किया गया है। चुनाव अधिकारी मनीराम ने बताया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मारक समिति महेंद्रगढ़, जिसका पंजीकरण संख्याःएनएनएल/17 वर्ष 2004-05 से पंजीकृत है तथा उक्त समिति हरियाणा रजिस्ट्रेशन एवं रेगुलेशनन ऑफ सोसायटी एक्ट 2012 के तहत वर्ष 2014 मे पंजीकरण संख्या 00डी21 को दिनांक 12.05.2014 को इस कार्यालय से पंजीकृत संस्था है। इस कार्यालय के पत्र कमांकः 1518 दिनांकः15.12.2025 के माध्यम से चुनाव अधिकारी डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति को संस्था की कार्यकारिणी के चुनाव करवाने के लिए निर्देश दिए थे। इस संस्था के चुनाव अधिकारी ने 12.01.2026 को संस्था की कार्यकारिणी के लिए चुनाव कार्यक्रम जारी किया था। चुनाव कार्यक्रम बारे सुंदरलाल जौरासिया ने गत 14 जनवरी को एक पैटीशन इस कार्यालय में लगाई तथा नामांकन का समय कम होने पर ऐतराज जताया था। 15 जनवरी को सभी पक्षों को सुना गया है और अन्य शिकायतें भी कार्यालय में प्राप्त हुई, जिसमें भी नामांकन का समय बढ़ाने का निवेदन किया गया है।

अंबेडकर भवन का मुख्यद्वार।

शिकायत का निवारण

चुनाव कार्यकम का अवलोकन करने पर पाया गया कि चुनाव कार्यकम में नामांकन से पहले व नामांकन के लिए समय कम कर दिया गया है, जिससे इतने कम समय में सभी सदस्यों को सूचना पहुंचना संभव नहीं है। अतः पारदर्शिता के लिए संस्था के चुनाव अधिकारी को निर्देश दिए कि चुनाव कार्यकम को पुनः निर्धारित करें।

सभा में समस्याओं को सूचीबद्ध करेंगे अधिकारी

नांगल चौधरी। विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए विभाग ने सभी नपा में एरिया सभा आयोजन के निर्देश दिए हैं। जिसमें 10 फीसदी मतदाताओं की उपस्थिति होना अनिवार्य रहेगा साथ ही सभा में दर्ज की गई समस्याओं को निर्धारित अवधि में समाधान करना जरूरी है। इसके लिए विभाग ने शेड्यूल जारी कर दिया जिसके मुताबिक नांगल चौधरी नपा में 21 जनवरी से एरिया सभा का आयोजन आरंभ किया जाएगा। उक्त जानकारी नपा के सचिव ललित गोयल ने दी है।

■ मीटिंग में 10 फीसदी मतदाताओं की हाजिरी जरूरी

उन्होंने बताया कि सरकार ने नगर पालिका नागरिक भागीदारी एक्ट बनाया है। जिसमें वार्ड वाइज सभी मतदाताओं को मीटिंग का सदस्य बनाया गया है। विभागीय निर्देशानुसार एरिया मीटिंग की वीडियो ग्राफी बनाई जाएगी तथा रजिस्ट्रर में हस्ताक्षर कराए जाएंगे।

ट्रेन नंबर 19701 के आगमन पर पायलट व लोको पायलट सम्मानित

सतनाली स्टेशन पर सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव का स्वागत, रेल सेवा समिति में खुशी

■ रेल के ठहराव से जयपुर–दिल्ली की कनेक्टिविटी होगी मजबूत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सतनाली मंडी

सतनाली रेलवे स्टेशन पर सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव की सौगात मिलने पर सतनाली रेल सेवा समिति की ओर से हर्षोल्लास के साथ स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्टेशन पर रविवार मध्यरात्रि पश्चात दोनों ट्रेनों के आगमन पर समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ सिंह शेखावत के नेतृत्व में समिति द्वारा लोको पायलट (चालक दल) एवं ट्रेन मैनेजर (गार्ड) को पारंपरिक पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

स्टेशन पर ट्रेन नंबर 19701 जयपुर-दिल्ली के आगमन पर समिति द्वारा लोको पायलट मनोज कुमार वर्मा एवं सहायक तथा ट्रेन मैनेजर युधिष्ठिर यादव को पारंपरिक पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। इसके बाद 19702 दिल्ली-जयपुर के आगमन पर ट्रेन के लोको पायलट एवं सहायक लोको पायलट तथा ट्रेन मैनेजर दीपक सांगा को भी पारंपरिक पटका पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर सम्मानित किया।

सतनाली। सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव पर लोको पायलट एवं ट्रेन मैनेजर का स्वागत करते समिति सदस्य। फोटो : हरिभूमि

यात्रियों को मिलेगी राहत

समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत एवं मार्केट कमेटी चेयरमैन भागीरथ सिंह शेखावत ने कहा कि सैनिक एक्सप्रेस के ठहराव से न केवल क्षेत्र के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में राहत प्राप्त होगी अपितु इससे क्षेत्र की जयपुर-दिल्ली से कनेक्टिविटी मजबूत होगी और समय व धन की बचत संभव हो सकेगी। उन्होंने कहा कि लंबे समय से सतनाली स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव की मांग की जा रही थी।

27 जनवरी को आयोजित होगी ग्रामसभा

ग्राम पंचायत सिहमा में कोरम पूरा न होने पर सभा स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

ग्राम पंचायत सिहमा में आयोजित ग्रामसभा की बैठक कुल मतदाताओं के 40 प्रतिशत कोरम की पूर्ति न होने के कारण सभा स्थगित हो गई थी। उसके बाद सोमवार को ग्रामसभा की बैठक ग्राम सचिवालय में हुई, जिसमें 30 प्रतिशत कोरम की पूर्ति नहीं होने पर वह भी स्थगित कर दी गई। निर्धारित कोरम पूरा न होने के चलते ग्रामसभा को स्थगित कर आगामी 27 जनवरी को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इस बारे में सरपंच सुमन देवी ने बताया कि पंचायत के जागरूक सदस्य एवं कुछ ग्रामीण ही बैठक में मौजूद रहे। दरअसल, खंड के सभी 29 गांवों में 17 व 18 जनवरी को विशेष ग्राम सभाएं आयोजित की गई थी।

बैठक निरस्त

सिहमा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी सचिन ने बताया कि पहली बैठक में वोटरों की आबादी का 40 प्रतिशत आबादी ग्राम सभा बैठक में नहीं पहुंची तो कोरम के अभाव में इस बैठक को निरस्त कर दिया जाएगा। दोबारा ग्राम सभा की बैठक बुलाई जाएगी और इसमें 30 प्रतिशत आबादी का उपस्थित होना जरूरी होगा। उसके बाद फिर ग्राम सभा की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें 20 प्रतिशत आबादी का उपस्थित होना जरूरी है। हमनें ग्रामीणों की उपस्थिति का एक रजिस्टर बनाया हुआ है। इस रजिस्टर में ग्राम सभा बैठक में उपस्थित सभी के हस्ताक्षर होंगे। इन ग्राम सभा की बैठकों में पंचायत अपने प्रस्ताव पारित करा कर अपने कार्य करवा सकती है।

कार्रवाई | सीआईए नारनौल और शहर थाना पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर और अन्य आरोपियों को किया गिरफ्तार

विभाग की जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल पैर में गोली लगने से हुआ घायल

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : मुठभेड़ मामले में अब तक 7 अवैध हथियार, 97 जिंदा कारतूस किए बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला पुलिस ने अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। सीआईए नारनौल और शहर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल, उसके साथी करणजीत सिंह और हथियारों को छिपाने वाले तीसरे आरोपित रविन्द्र को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के कब्जे से कुल सात अवैध हथियार और 97 जिंदा कारतूस बरामद कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। डीएसपी भारत भूषण ने सोमवार प्रेस वार्ता में बताया कि सीआईए नारनौल की टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि मौहल्ला सलामपुरा फायरिंग मामले का मुख्य आरोपित शिवदयाल ट्रेन द्वारा नारनौल आ रहा है। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपितों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी थी, जिसमें एक गोली सीआईए इंचार्ज की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी थी। पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर शिवदयाल पैर में गोली लगने से घायल हो गया था।

नारनौल। बरामद हथियार के बारे में जानकारी देते डीएसपी भारत भूषण।

शिवदयाल ने छिपाने के लिए रखे थे हथियार, तीसरा आरोपित भी काबू

जांच में पुलिस ने आरोपित शिवदयाल से पूछताछ के आधार पर मामले के तीसरे आरोपित रविन्द्र को गिरफ्तार किया था, जिसके पास से दो देशी पिस्तौल और 82 जिंदा कारतूस बरामद किए थे, जो शिवदयाल ने उसे छिपाने के लिए दिए थे। आरोपित रविन्द्र को रविवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपित करणजीत रिमांड के दौरान पूछताछ की, जिसकी निशानदेही पर तीन अवैध हथियार व 10 जिंदा कारतूस ओर बरामद किए गए हैं। इस पूरी कार्रवाई में पुलिस ने अब तक कुल सात अवैध हथियार और 97 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं, जो जिला पुलिस की एक बड़ी उपलब्धि है। पुलिस बरामद हथियारों के स्रोतों का पता लगाने के लिए जांच को आगे बढ़ा रही है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005